8 डाटा प्रस्तुतीकरण

8.1 अपना समाचार पत्र बनाएँ

समाचार पत्र के मुख पृष्ठ को तैयार करना एक रुचिकर और आकर्षक क्रियाकलाप है। आपका समाचार पत्र भिन्न होगा क्योंकि आपके पत्र के पहले पृष्ठ पर आपके स्थानीय शिल्प समुदाय और उनके शिल्प का वर्णन होगा, जैसे–कुम्हार।

शिल्पकार के वातावरण के विषय पर अपने समूह के साथ एक समाचार पत्र का पृष्ठ तैयार करें। इसके लिए अपने नियमित समाचार पत्र का पहला पृष्ठ देखें। इसमें कितने कॉलम हैं? मुख्य छायाचित्र, मुख्य समाचार, कार्टून, विज्ञापन, यहाँ तक कि पृष्ठ के ऊपरी भाग पर दिए गए छोटे–छोटे विज्ञापनों को भी देखें। इसमें आमतौर पर कहानियाँ/लेख होते हैं। समाचार पत्र के अन्य विशिष्ट लक्षण क्या हैं।

आप अपनी कक्षा में अपने समाचार पत्र के मुख पृष्ठ में संभावित विषयों पर चर्चा करें जिसका मुख्य आधार शिल्पकार का कार्यस्थल और वातावरण हो। इसकी हेडलाइन स्टोरी क्या होगी? इसमें कौन से चित्र शामिल किए जाएँगे? क्या क्षेत्र दौरे से प्राप्त किसी सामग्री को चार्ट/कार्टून में बदला जा सकता है? संबंधित विज्ञापन कौन से होंगे? जैसे संबंधित शिल्प के विपणन हेतु या कुटीर उद्योग में कार्यदशाओं/बालश्रम पर आधारित सामाजिक जागरूकता संबंधी विज्ञापन भी हो सकते हैं। प्रत्येक विज्ञापन में लिखित सामग्री क्या होगी?

Painting thoughts in colour

The Hindu Young World painting competition saw talented young artists at work with confidence.

Guess the answer

The Limca Book of Records Quiz was sheer excitement from the word "go."

Malaysian melody

A bunch of students speak of their Malaysian experience.

अब पुस्तकालय से शोध करके, स्थानीय समाचार पत्र कार्यालय में जाकर फोटोग्राफ, लिखित आलेख, कविता इत्यादि संबंधित सामग्री एकत्र करें।

कारीगरों का साक्षात्कार करें और फोटोग्राफ सहित स्थिति अध्ययन तैयार करें। अपना स्वयं का खाका तैयार करें जिसमें बॉक्स आइटम जैसे मौसम, टीवी और रेडियो कार्यक्रमों की सूचना, विज्ञापन और कार्टून हों। अपनी लेखन सामग्री को कॉलम बद्ध करें। कॉलम की चौड़ाई, टाइप साइज़ इत्यादि का फॉर्मेट अखबार के समान ही हो। उपयुक्त शीर्षक चुनें और इसका खाका तैयार करें। आप टाइपराइटर, कंप्यूटर का प्रयोग कर सकते हैं अथवा हाथ से भी लिख सकते हैं। अपनी सामग्री को खाके के अनुसार

© NCERT not to be republished

चिपकाएँ एवं उसकी प्रतिकृति (photocopy) अपने स्कूल में वितरित करें या नोटिस बोर्ड पर लगाएँ।

8.2 चर्चा

किसी मुद्दे पर विचारों का आदान-प्रदान करने और जागरूकता पैदा करने के लिए चर्चा एक उपयोगी तरीका है। एक बेहतर चर्चा के आयोजन के लिए–

- समूह के साथ एक विषय/थीम चुनें और इसे स्पष्ट तथा निश्चित रूप से व्यक्त करें। यह सहभागियों को चुनौती देने वाला होना चाहिए कि वे मुद्दे पर गहराई से सोचें। ध्यान रखें कि उनकी पृष्ठभूमि क्या है। उन्होंने अपनी पृष्ठभूमि में कैसे क्रियाकलापों का अनुभव प्राप्त किया है तभी उन्हीं विषयों को चर्चा का विषय बनाने से सभी लोगों, स्थान तथा घटनाओं के संदर्भ को समझा जा सकता है।
- प्रत्येक को विषय के संबंध में अपने विचारों को जानने का समय दें। ऐसा करने के लिए उन्हें पेपर पर अपने बिंदुओं को संक्षेप में लिखने के लिए कहें।
- समूह का आकार 7 से 15 के बीच रखें ताकि सभी की भागीदारी संभव हो सके। बैठने की व्यवस्था ऐसी करें कि सभी सदस्य एक दूसरे को देख सकें अर्थात उन्हें वृत्ताकार अथवा आयताकार में बैठाएँ। जिन छात्रों में आत्मविश्वास की कमी है उन्हें चर्चा में शामिल कर सभी सदस्यों का योगदान सुनिश्चित करें।
- चर्चा में बाधा आने पर उन्हें प्रोत्साहित करें और यह भी देखें कि वे मुख्य विचार से भटकें नहीं।

8.3 अपनी स्वयं की कॉमिक स्ट्रिप तैयार करें

यदि आपकी अथवा आपके मित्र की ड्राइंग अच्छी है तो आपने अपने क्षेत्र दौरे से क्या सीखा यह दर्शाते हुए कार्टून स्ट्रिप तैयार करें। निम्नवत् चरण अपनाएँ–

- अपने नोट्स और इंटरव्यू को पढ़ते हुए कल्पना करें और इससे एक कहानी बनाएँ। यह कहानी शिल्प की यात्रा, इसके पीछे की कहानी, शिल्पकार की स्वयं की कहानियाँ, शिल्प प्रक्रिया के बारे में हो सकती हैं।
- पहले विभिन्न कार्यक्रमों के रफ स्केच बनाएँ। इन्हें पेंसिल से रेखा आकृतियों (stick figure) का उपयोग करके भी बनाया जा सकता है।
- अपनी ड्राइंग को ध्यानपूर्वक देखें-क्या इसमें कहानी के विभिन्न पहलू शामिल है? क्या इसमें से कुछ आकृतियँ 'क्लोज़-अप' के लिए बेहतर हैं?

© NCERT not to be republished

- सोचें कि आप कहानी कैसे शुरू करेंगे। साथ ही आप अपनी कहानी समाप्त कैसे करेंगे? संभावित विकल्पों का स्केच बनाएँ और उनमें से चुनें।
- अपने सभी स्केच सही क्रम में व्यवस्थित करें और जिन्हें आपको उपयोग नहीं करना उन्हें हटा दें। क्या कथन (speech) अथवा कल्पना के बुलबुले आपकी कहानी को आगे बढ़ाते हैं? यथासंभव इन्हें कम-से-कम रखें और अपने चित्रों को बोलने दें।
- आकार के बारे में सोचें। क्या प्रत्येक चित्र का आकार कहानी में इसके महत्त्व को दर्शाता है? देखें कि किस चित्र को बड़ा होना चाहिए और किसे छोटा।
- उस ड्राइंग सामग्री का चयन करें जो आपके अनुसार कहानी को बेहतर ढंग से व्यक्त कर सकती है–छोटे, कतरे हुए क्रेयान स्ट्रोक्स अथवा फेल्ट पेनों से की गई ड्राइंग, जल रंगों से अधिक प्रभावी होगी। क्यों?
- देखें कि रंग किसी भाव अथवा भावना को कैसे उकेरते हैं।
- अपनी कॉमिक स्ट्रिप को अंतिम रूप दें–अपने ड्राइंग पेपर पर रफ ग्रिड बनाएँ, प्रत्येक दृष्टांत को अपेक्षित स्थान दें। एक समय में एक ड्राइंग पर ही कार्य करें। सभी को देखने के पश्चात् ध्यान दें कि संपूर्ण संरचना (कंपोज़िशन) संतुलित है कि नहीं। संतुलन के लिए आप ड्राइंग के कुछ भागों को पुनः व्यवस्थित कर सकते हैं।
- संरचना में संतुलन लाने में रंग भी सहायक हो सकते हैं। अपने कुछ प्रमुख चित्रों में रंग भरें ताकि आप यह समझ सकें कि संपूर्ण प्रभाव कैसा होगा।
- कुछ सप्ताह में अपनी पूरी कॉमिक स्ट्रिप को पूरा कर लें जिसमें कथन और कल्पना अंशों को भी शामिल करें और समय-समय पर इसकी आलोचनात्मक समीक्षा करें।

अब आपकी कॉमिक स्ट्रिप पूरे स्कूल के समक्ष प्रदर्शन के लिए तैयार है।

8.4 विस्तृत जाल

उन लोगों की संख्या जानने का प्रयास करें जिन्होंने आपकी माँ के लिए साड़ी तैयार की है। सबसे पहले वे लोग हैं जिन्होंने रेशम के कीटों का पालन किया, रेशम एकत्र किया और फिर वे जिन्होंने इसे हाथ से अथवा मशीन से बुनकर इससे कपड़ा तैयार किया।

कपड़ा बुने जाने के पश्चात् वे लोग जो इसकी तह बनाकर बाज़ारों तक लाते हैं, बेचते हैं, तत्पश्चात् एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हुए अंत में दुकानों पर पहुँचा देते हैं जहाँ से आप इसे खरीदते हैं।

आप अपनी कमीज़, अपने घर के फर्नीचर इत्यादि के लिए भी ऐसा ही जाल बना सकते हैं।

© NCERT not to be republished

रेशम का जाल

रेशमकीट (कुकून) से लेकर रेशमी वस्त्र तक

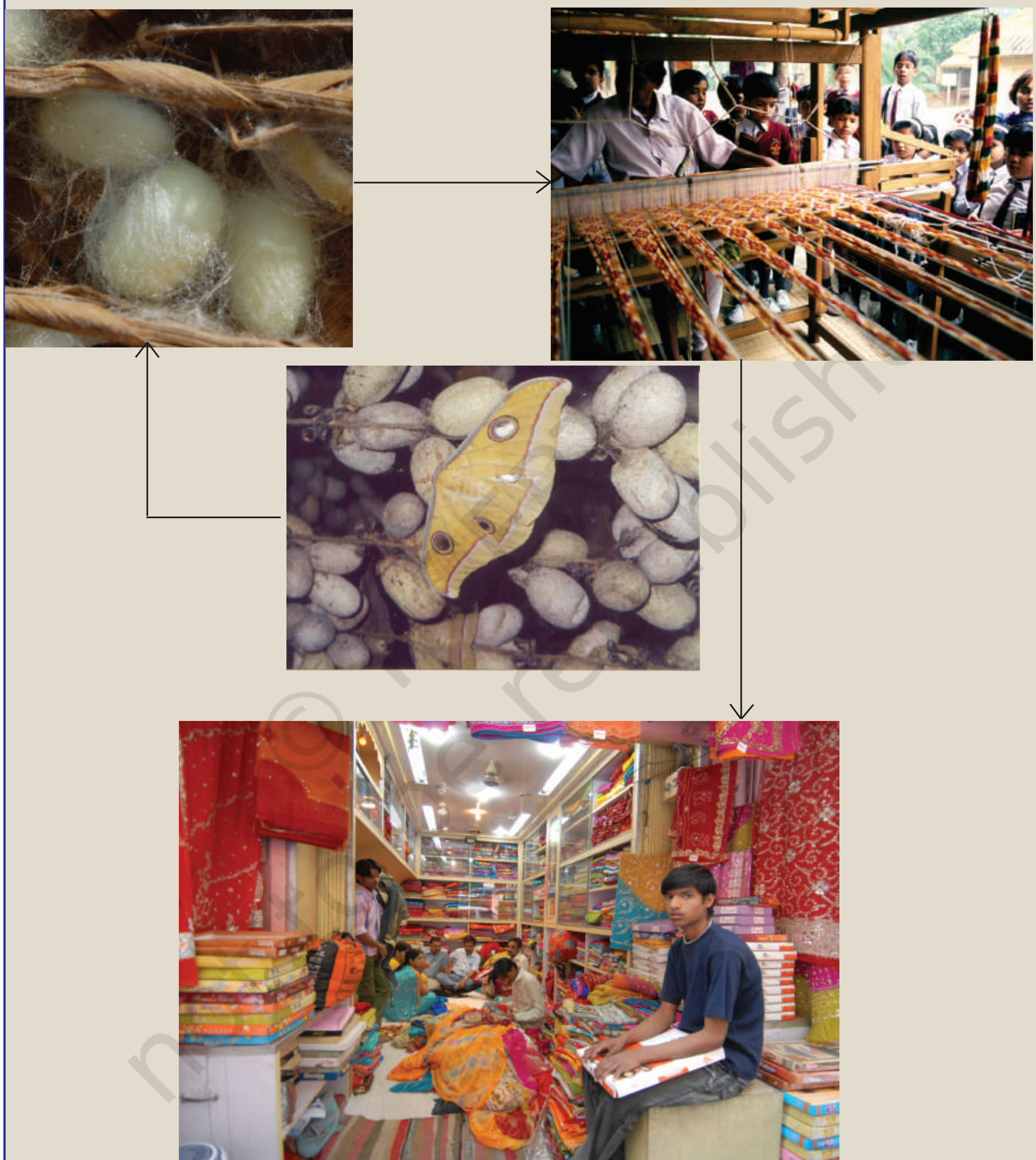

प्रदर्शनी की तैयारी में छात्र

8.5 एक तुलनात्मक अध्ययन

छात्रों ने अपने क्षेत्र दौरों के दौरान शिल्प समुदायों से बातचीत करते हुए अपने साक्षात्कारों के अंतर्गत कई प्रेक्षण किए होंगे (अध्याय 7 देखें)। जब वे वापस लौटें तो छात्र, कारीगर और उनके जीवन-स्तर में अंतर की तुलना करते हुए 10-15 बिंदुओं पर चर्चा करें।

इस ज़ोरदार चर्चा सत्र के पश्चात् दो जीवन-शैलियों की तुलना विषय पर कक्षा में निम्नवत् क्रियाकलाप करें।

- कक्षा को तीन अथवा चार छात्रों के छोटे समूहों में बाँटें।
- बच्चों को बड़े चार्ट पेपरों का उपयोग करने दें और इसके लिए दो या तीन चार्ट पेपरों को फर्श पर रखकर एक साथ जोड़ने का निर्देश दें।
- प्रत्येक छात्र को रंगीन फेल्ट पेनों और ऑयल पेस्टल रंगों से बड़े स्केच व कार्टून बनाने दें और चार्ट पेपर पर कुछ लिखने को कहें।

यह एक मज़ेदार क्रियाकलाप है और इसे ऐसा ही समझा जाना चाहिए। बच्चों ने जो समझा वह उनकी संवेदना के साथ स्वत: ही उनके कार्य की गुणवत्ता में और जिस विषयवस्तु को वे चित्रित करने और उसके बारे में लिखने के लिए चुनते हैं, उसमें दिखाई देता है।

© NCERT not to be republished

भाग III

अनुप्रयुक्त शिल्प

लघु कार्य

© NCERT not to be republished